दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३१० वा | बुधवार ११ जून २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

अगर ट्रेन समय पर रोकी गई होती... तो शायद बच सकती थीं यात्रियों की जानें!

चेन खींचने के बावजूद ट्रेन न रोकने का आरोप

प्रत्यक्षदर्शियों ने उठाए गंभीर सवाल

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

मुंबई – दिवा से मुंब्रा रेलवे स्टेशन के बीच हुई दर्दनाक दुर्घटना में यात्रियों की जान गई, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि यदि ट्रेन समय पर रोकी गई होती, तो ये मौतें टाली जा सकती थीं। लोकल ट्रेन में सवार यात्रियों ने हादसे के समय आपातकालीन चेन खींची, बावजूद इसके मोटरमैन ने ट्रेन नहीं रोकी, यह गंभीर आरोप सामने आया है। इस घटना के बाद रेलवे प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था और यात्रियों की जान की कीमत को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

दुर्घटना में चार यात्रियों की मौत हो गई, जबकि १३ लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज अलग-अलग अस्पतालों में जारी है। कसारा से सीएसएमटी जा रही फास्ट लोकल में सवार यात्रियों में से कुछ मुंब्रा स्टेशन के पास जैसे ही पहुंचे, तभी सीएसएमटी की ओर से आ रही दूसरी ट्रेन से एक यात्री की बैग लोकल के दरवाजे पर खड़े यात्री से टकरा गई। इससे असंतुलन में आकर लगभग १३ लोग लोकल से नीचे गिर पड़े।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही यह हादसा हुआ, लोकल ट्रेन में मौजूद कुछ यात्रियों ने तत्काल तीन से चार बार आपातकालीन चेन खींची, लेकिन ट्रेन नहीं रोकी गई। मोटरमैन ने ट्रेन सीधे ठाणे स्टेशन तक ले जाकर ही रोकी। मृतक केतन सरोज के मित्र और घटना के प्रत्यक्षदर्शी दीपक शिरसाठ ने यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि वे दोनों उल्हासनगर के निवासी थे और रोज़ ठाणे के वागले इस्टेट स्थित आशर आईटी पार्क में काम के लिए जाते थे। उन्होंने सुबह ८:३० बजे शहाड स्टेशन से कसारा-सीएसएमटी फास्ट लोकल पकड़ी थी। डोंबिवली और दिवा में ट्रेन में भारी भीड़ हो गई थी।

मुंब्रा के पास जब दोनों ट्रेनें आमने-सामने आईं, तब लोकल की पटरी संकरी होने से दोनों ट्रेनों के दरवाजे पर खड़े यात्री एक-दूसरे से टकरा गए। एक बैग की टक्कर से संतुलन बिगड़ा और कई लोग नीचे गिर गए। इसी दौरान केतन की जान चली गई और दीपक बाल-बाल बचे।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अगर मोटरमैन ने स्थिति की गंभीरता को समय रहते समझा होता और ट्रेन तुरंत रोकी होती, तो यात्रियों की जान बचाई जा सकती थी। हादसे के बाद मौके पर एंबुलेंस भी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं थी। कुछ घायलों को टेम्पो के जरिए जिला सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया।

मनसे का ठाणे रेलवे स्टेशन पर मोर्चा, अव्यवस्था और लापरवाही पर जताया आक्रोश

रेलवे प्रशासन की लापरवाही और अव्यवस्था के विरोध में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने मंगलवार को ठाणे रेलवे स्टेशन पर मोर्चा निकाला। मनसे नेता अविनाश जाधव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रेलवे अधिकारियों से मुलाकात कर लेट ट्रेन, स्टेशन पर अव्यवस्थित खाद्य व पेपर स्टॉल्स और सुरक्षा में ढील जैसे मुद्दों पर जवाब मांगा। प्रशासन द्वारा जल्द कार्रवाई न किए जाने की स्थिति में मनसे स्टाइल आंदोलन का इशारा भी दिया गया।

विशेष टिप्पणी

मुंबई की जीवनरेखा माने जाने वाली लोकल ट्रेनें लाखों लोगों की दैनिक जरूरत हैं, लेकिन यदि रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया, तो ऐसे हादसे बार-बार दोहराए जाएंगे। इस दुर्घटना ने एक बार फिर रेल यात्रियों की सुरक्षा और आपात स्थिति में प्रतिक्रिया की गंभीरता पर बहस छेड़ दी है। अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या जवाब देता है और क्या भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम उठाए जाते हैं।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों के विकास हेतु बीड़ में 'वरिष्ठ एवं चयन वेतन श्रेणी' प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

डॉ. विक्रम सारुकके उत्तम नियोजन से प्रशिक्षु शिक्षकों में प्रशिक्षण को लेकर दिखा उत्साह

बीड़ (प्रतिनिधि) – महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल की ओर से बीड़ जिले में वरिष्ठ वेतन श्रेणी एवं चयन वेतन श्रेणी का प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। यह प्रशिक्षण २ जून २०२५ से १२ जून २०२५ तक बीड़ शहर के विभिन्न केंद्रों पर अत्यंत अनुशासित वातावरण में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें १२ वर्ष तथा २४ वर्ष की सेवा पूरी कर चुके प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक सहभागी हैं।

इस प्रशिक्षण का आयोजन जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्था (ञखएढ), बीड़ की ओर से किया गया है। संस्था के प्राचार्य डॉ. विक्रम सारुक के मार्गदर्शन में यह संपूर्ण प्रशिक्षण सफलता की ओर अग्रसर है। बीड़ के द. बा. घुमरे माध्यमिक विद्यालय, शिक्षणमहर्षि बापूजी साळुंखे बीड़ हाईस्कूल सहित चयनित केंद्रों पर यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को वर्तमान शैक्षणिक परिवर्तनों से अवगत कराना तथा उन्हें नवीन शैक्षणिक नीतियों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण अध्यापन के लिए सक्षम बनाना है, जिससे विद्यार्थियों तक पहुंचने वाली शिक्षा अधिक प्रभावी और बोधगम्य बन सके। प्रशिक्षण के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२०, विद्यालय मूल्यांकन प्रक्रिया में बदलाव, भारतीय ज्ञान प्रणाली, साइबर सुरक्षा, शिक्षक सशक्तिकरण, नेतृत्व विकास जैसे विविध विषयों पर गहन मार्गदर्शन दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में चिंतनशील पठन सामग्री, समूह चर्चा, लेखन, प्रस्तुतीकरण एवं व्यक्तिगत डायरी लेखन जैसे रचनात्मक उपक्रम शामिल हैं। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को विशेष रूप से तैयार की गई अध्ययन सामग्री भी प्रदान की जा रही है, जो चिंतन, लेखन और संवाद के लिए प्रोत्साहित करती है। यह सामग्री विषय की स्पष्टता, समझ तथा क्रियान्वयन की क्षमता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

प्रशिक्षण में भाग ले रहे शिक्षक अत्यंत उत्साह और समर्पण के साथ सहभागी बन रहे हैं। वैज्ञानिक पद्धति से आयोजित यह प्रशिक्षण उनके लिए न केवल ज्ञानवर्धक सिद्ध हो रहा है, बल्कि यह भविष्य में उनके अध्यापन कौशल और व्यावसायिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उच्च माध्यमिक चयन वेतन श्रेणी वर्ग के लिए विभाग प्रमुख के रूप में श्री राम सालगुडे कार्यरत हैं, जबकि सुलभक की भूमिका में डॉ. पठान सिराज खान, श्रीमती देशमुख, श्रीमती मनीषा जाधव एवं श्रीमती कदिरा बेगम उत्कृष्ट रूप से कार्य संपन्न कर रहे हैं।

नगरपालिकाओं के लिए होंगे दो सदस्यीय प्रभाग; २०११ की जनगणना के आधार पर होगी वार्ड रचना

बीड, १० जून (प्रतिनिधि)

महाराष्ट्र में नगरपालिकाओं की आगामी चुनाव प्रक्रिया के संदर्भ में प्रभाग (वार्ड) रचना को लेकर राज्य सरकार ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। नगरविकास विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, राज्य की सभी नगरपालिकाओं में अब दो सदस्यीय प्रभाग होंगे, जबकि कुछ स्थानों पर असमान संख्या होने की स्थिति में एक प्रभाग तीन सदस्यीय भी हो सकता है।

प्रभाग रचना के लिए २०११ की जनगणना को ही आधार माना जाएगा, जिसके अनुसार प्रत्येक नगरपालिकाओं की सदस्य संख्या वर्ष २०१७ जैसी ही रहने की संभावना जताई जा रही है। सदस्य संख्या के निर्धारण के लिए विभागीय आयुक्त द्वारा अलग से आदेश जारी किए जाएंगे।

राज्य सरकार ने स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव शीघ्र कराने के लिए प्रक्रिया को तेज कर दिया है। नगरविकास विभाग द्वारा जारी विस्तृत निर्देशों के अनुसार, प्रभाग रचना की प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है। प्रारूप को अंतिम मंजूरी मिलने के बाद प्रभाग आरक्षण की प्रक्रिया की जाएगी और इसके बाद चुनाव की घोषणा की जाएगी।

गौरतलब है कि कुछ समय पहले चार सदस्यीय प्रभाग की योजना पर विचार किया गया था, लेकिन अब विभाग की नवीनतम अधिसूचना के अनुसार प्रत्येक प्रभाग में केवल दो सदस्य चुने जाएंगे। इस फैसले से वार्ड परिसीमन और चुनावी प्रक्रिया को सरल बनाने में मदद मिलेगी।

नगरपालिकाओं के इन प्रभागों की संरचना स्थानीय प्रशासन और राजनीतिक प्रतिनिधित्व दोनों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, और इसकी अगली कार्यवाही पर सभी की नजरें टिकी हैं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का २६ वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

खुर्शीद आलम ने किया ध्वजारोहण; विधायक मदन सर, डॉ. सानप, बाबासाहेब गोरे, सचिन दुधाळ रहे प्रमुख रूप से उपस्थित

बीड (प्रतिनिधि) – राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्रजी पवार गट) का २६वां स्थापना दिवस बीड जिला कार्यालय में पूरे उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रवादी के वरिष्ठ नेता खुर्शीद आलम द्वारा ध्वजारोहण से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष मदन सर ने की, जबकि तालुका अध्यक्ष बाबासाहेब गोरे ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस आयोजन में प्रमुख रूप से उपस्थित थे – राष्ट्रवादी ग्रंथालय सेल के डॉ. राजेंद्र सानप, राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस शहराध्यक्ष सचिन दुधाळ, वरिष्ठ नेता अनिल कर्डुले, शेख सबुर, सुशील जाधव, फैय्याज मन्यार, नितीन खांडे, शेख कलीम, शेषराव तांबे, अभय बीडकर, कुणाल चौहान, सोफयान कुरेशी, अमित चव्हाण, महेबूब इनामदार सहित अन्य कार्यकर्ता।

पूरा कार्यक्रम राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रति निष्ठा, संगठनात्मक एकता और सामाजिक जिम्मेदारी के संदेश के साथ संपन्न हुआ। उपस्थित नेताओं ने पार्टी की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए आने वाले वर्षों में संगठन को और सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

'लाडली बहन' योजना के लिए नया फरमान, खर्च पुरा करेगी विदेशी शराब कि दूकान।

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

मुंबई – महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'लाडली बहन' योजना, जिसे विधानसभा चुनाव में 'गेम चेंजर' माना गया था, अब राज्य की तिजोरी पर भारी पड़ती दिख रही है। योजना के खर्च को पूरा करने के लिए महायुति सरकार ने राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से कई उपाय अपनाने का निर्णय लिया है। इसका सीधा असर अब विदेशी शराब पसंद करने वाले उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। विदेशी शराब के उत्पादन शुल्क में डेढ़ गुना तक वृद्धि की गई है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल बैठक में राज्य उत्पादन शुल्क विभाग के राजस्व बढ़ाने संबंधी प्रस्तावों को मंज़ूरी दी गई। इसके तहत उत्पादन शुल्क और बिक्री कर के जरिए सालाना करीब १४,००० करोड़ रुपये के अतिरिक्त राजस्व की उम्मीद जताई गई है।

राजस्व में वृद्धि के उद्देश्य से बनाए गए सचिव-स्तरीय अध्ययन समूह ने अन्य राज्यों की नीतियों का अध्ययन कर रिपोर्ट सौंपी थी। उसी के आधार पर उत्पादन शुल्क विभाग की संरचना में संशोधन और एकीकृत नियंत्रण कक्ष की स्थापना को भी मंजूरी दी गई है। यह नियंत्रण एआई तकनीक की मदद से डिस्टिलरी, निर्माता, थोक विक्रेता आदि पर निगरानी रखेगा।

इसके तहत मुंबई शहर और उपनगरों में एक नया विभागीय कार्यालय तथा मुंबई उपनगर, ठाणे, पुणे, नासिक, नागपुर और अहमदनगर जिलों में एक-एक अधीक्षक कार्यालय खोला जाएगा।

उत्पादन शुल्क में की गई प्रमुख बढ़ोतरी:

भारतीय निर्मित विदेशी मद्य (खचऋङ) पर उत्पादन शुल्क को निर्मित मूल्य के ३ गुना से बढ़ाकर ४.५ गुना किया गया है।

देशी शराब पर शुल्क प्रति प्रूफ लीटर १८० रुपये से बढ़ाकर २०५ रुपये किया गया है।

महाराष्ट्र मेड लिकर नामक नए श्रेणी को मंजूरी मिली है। यह केवल महाराष्ट्र के शराब उत्पादक ही बना सकेंगे, और इसके लिए अलग से ब्रांड रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा।

नई कीमतें (१८० मि.ली. की न्यूनतम खुदरा कीमत):

देशी शराब – ८०

महाराष्ट्र मेड लिकर (चचङ) – १४८

IMFL (भारतीय निर्मित विदेशी शराब) – २०५

विदेशी प्रीमियम ब्रांड शराब – ३६०

इसके अलावा अब राज्य में ऋङ-२ (सीलबंद विदेशी मद्य बिक्री) और ऋङ-३ (होटल/रेस्टोरेंट लाइसेंस) अनुज्ञप्तियों को पट्टे (लीज़) पर चलाने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए वार्षिक शुल्क के अतिरिक्त क्रमशः १५% और १०% अधिभार लागू होगा।

मंत्रिमंडल ने विभाग के सुदृढ़ीकरण हेतु १,२२३ नए पदों की मंजूरी दी है, जिनमें ७४४ सामान्य और ४७९ पर्यवेक्षणीय पद शामिल हैं।

अनुसूचित जाति आयोग को मिलेगा वैधानिक दर्जा

मंत्रिमंडल बैठक में महाराष्ट्र राज्य अनुसूचित जाति आयोग को वैधानिक दर्जा देने के निर्णय को भी मंजूरी दी गई। इसके लिए आगामी विधिमंडल सत्र में विधेयक लाया जाएगा।

राज्य में यह आयोग वर्ष २००५ में सामाजिक न्याय की नीति को लागू करने के लिए गठित किया गया था। केंद्र में अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए अलग-अलग आयोग कार्यरत हैं, और केंद्रीय जनजातीय परिषद ने इन वर्गों के लिए स्वतंत्र आयोग की सिफारिश की थी।

फिजियोथेरेपी, ऑक्युपेशनल थेरपी और बीएससी नर्सिंग छात्रों के वजीफे में बढ़ोतरी

राज्य सरकार ने फिजियोथेरेपी व ऑक्युपेशनल थेरपी के डिग्री व पीजी छात्रों के वजीफे में वृद्धि और बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए नया वजीफा शुरू करने का निर्णय लिया है।

इंटर्नशिप कर रहे छात्रों को अब तक १,७५० मासिक वजीफा मिल रहा था, जो अब बढ़ाकर ८,००० किया जाएगा।

पीजी छात्रों का वजीफा बढ़ाकर ३३,७३० (महंगाई भत्ता सहित) कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी १ जून २०२५ से लागू होगी।

फिलहाल बीएससी नर्सिंग कोर्स मुंबई, पुणे, नागपुर, छत्रपति संभाजीनगर और नांदेड में स्थित सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में संचालित हो रहा है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

विवाहित महिला का शव कुएं में मिला; परिजनों ने ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाया

परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार रोका, आरोपियों की गिरफ्तारी तक पोस्टमार्टम और अंत्येष्टि से इनकार

बीड, १० जून (प्रतिनिधि)

बीड जिले के गेवराई तालुका के एरंडगांव गांव में एक विवाहित महिला का शव कुएं में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान वर्षा ओमप्रकाश लाटे के रूप में हुई है। यह घटना वटसावित्री पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर सामने आई, जिससे इलाके में भावनात्मक उबाल देखने को मिला।

मृतका के मायके पक्ष ने आरोप लगाया है कि हमारी बेटी को उसके ससुरालवालों ने मार डाला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक आरोपियों पर हत्या का मामला दर्ज नहीं किया जाएगा और उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, तब तक न तो पोस्टमार्टम कराया जाएगा और न ही अंतिम संस्कार।

घटना का क्रम:

वर्षा लाटे सोमवार (९ जून) की सुबह लगभग १० बजे खेत में काम करने के लिए गई थीं। कुछ समय बाद उन्होंने साथ काम कर रही महिला से यह कहकर विदा ली कि वह घर जा रही हैं। लेकिन दोपहर बाद जब वह न तो खेत में और न ही घर पर दिखाई दीं, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की।

शाम करीब चार से पांच बजे के बीच खेत में स्थित कुएं के पास वर्षा का स्कार्फ दिखाई दिया। इसके बाद कुएं में तलाश की गई, जहां वर्षा का शव पाया गया। सूचना मिलते ही मायके के रिश्तेदार ईटकुर गांव से घटनास्थल पर पहुंच गए। उन्होंने पुलिस के पहुंचने तक शव को बाहर निकालने से इनकार कर दिया।

बाद में गेवराई पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस की मौजूदगी में रात में शव कुएं से बाहर निकाला गया। रात करीब ११ बजे वर्षा का शव पोस्टमार्टम के लिए बीड जिला अस्पताल भेजा गया।

मारपीट के निशान और परिजनों का आरोप: मंगलवार सुबह जब परिजनों ने शव देखा, तो गले, शरीर और अन्य हिस्सों पर मारपीट के स्पष्ट निशान थे। इस पर परिजनों ने आरोप लगाया कि वर्षा की हत्या कर उसका शव कुएं में फेंका गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक हत्यारों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।

इसके बाद परिजन जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत से मुलाकात की। कांवत ने आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आश्वासन मिलने के बाद वर्षा का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल में शुरू किया गया।

हालांकि, परिजनों ने अपनी मांग दोहराई है कि जब तक दोषियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज नहीं होता और गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।

यह मामला न सिर्फ एक हत्या की आशंका को जन्म देता है, बल्कि महिला सुरक्षा, वैवाहिक जीवन में हिंसा और न्यायिक कार्रवाई की गंभीरता पर भी सवाल उठाता है।

सरदारने ढाई करोड़ हड़पे

चेयरमैन, सेक्रेटरी और हेडमिस्ट्रेस समेत छह लोगों पर एफआईआर दर्ज

। १० जून २०२५ । संवाददाता

मालेगांव – महाराष्ट्र में शिक्षा विभाग से जुड़े घोटालों की एक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। मालेगांव के प्रतिष्ठित सिटीजन वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी के तहत संचालित सरदार प्राइमरी स्कूल के खिलाफ फर्जी शिक्षकों की नियुक्ति और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकार से २.५ करोड़ की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में चेयरमैन, सचिव, हेडमिस्ट्रेस सहित छह लोगों के खिलाफ आज़ाद नगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने गैर–अनुदानित डिवीजनों की फर्जी मंजूरी दिखाकर शिक्षकों की फर्जी नियुक्ति की और उन्हें अनुदानित शिक्षक दर्शाकर सरकारी फंड से करोड़ों रुपये हड़प लिए।

एफआईआर शिकायतकर्ता जाबिर शाह शोएब शाह, कि शिकायत के अनुसार, डॉ. मंज़ूर हसन अय्यूबी, डॉ. अब्दुल हमीद इब्राहिम, डॉ. आसिफ सलीम, हेडमिस्ट्रेस प्रो. परवीन मंज़ूर, मुआज़ मंज़ूर, और तौसीफ अहमद पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

एफआईआर में लगाए गए प्रमुख आरोप:

स्कूल प्रबंधन ने २००५–२००६ में नॉन–ग्रांट डिवीजनों की झूठी मंजूरी दिखाकर अनुदानित शिक्षकों की नियुक्ति की।

शिक्षा विभाग नासिक के नाम पर एक फर्जी आदेश जारी किया गया जिसमें प्रस्तावित डिवीजनों की स्वीकृति का उल्लेख था, जबकि इसकी कोई सिफारिश नगरपालिका या प्रशासनिक अधिकारी को नहीं भेजी गई थी।

एक काल्पनिक आउटगोइंग नंबर (N-P-SHIM/Khapriya/inShikshan/853/2012) दिखाकर आदेश की वैधता साबित करने का प्रयास किया गया।

१ अगस्त २०२० से अब तक डिवीजनों की संख्या बढ़ाकर शिक्षकों की नियुक्ति और गुमराह दस्तावेजों के आधार पर सरकार से लगभग २.५ करोड़ की राशि अनुदान स्वरूप प्राप्त की गई।

दर्ज धाराएं:

एफआईआर नंबर ००८७/२०२५, भादंवि की धाराएं –

इछ्ड ६१(२), ३१६(४), ३१६(५), ३१८(३), ३१८(४), ३३६, ३३८, ३३९, ३४०, ३४, ३(र), ३(५) के तहत अपराध पंजीकृत किया गया है।

शिकायतकर्ता का बयान:

जाबिर शाह ने बताया कि मार्च में स्कूल के एक कर्मचारी ने उनके न्यूज स्टूडियो में आकर आरोप लगाए थे, जिसे उन्होंने यूट्यूब चैनल पर प्रसारित किया। इसके जवाब में उन्हें मानहानि का नोटिस भी मिला, जिसके बाद उन्होंने गहराई से मामले की जांच की और सूचना के अधिकार (ठढख) के तहत कई दस्तावेज़ जुटाए। उन्हीं दस्तावेज़ों के आधार पर उन्होंने यह शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने एफआईआर में यह भी मांग की है कि सरकारी फंड को तत्काल वापस लिया जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। मामले की विस्तृत जांच आज़ाद नगर पुलिस द्वारा जारी है। यह मामला महाराष्ट्र के शिक्षा क्षेत्र में भ्रष्टाचार की श्रृंखला का एक और उदाहरण बनकर सामने आया है, जहां शिक्षा के नाम पर करोड़ों की ठगी की जा रही है और सरकारी फंड का दुरुपयोग हो रहा है।

अवैध रेत परिवहन करते हुए टेंपो पकड़ा गया; ६.०९ लाख रुपये का माल जब्त

बीड, १० जून (प्रतिनिधि)

बीड ग्रामीण पुलिस ने मंगलवार सुबह वासनवाडी शिवार क्षेत्र में अवैध रूप से रेत ले जा रहे एक टेंपो को पकड़ा। इस कार्रवाई में रेत से भरे टेंपो सहित कुल ६ लाख ९ हजार रुपये का माल जब्त किया गया है। आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में लिया गया है।

बीड ग्रामीण पुलिस थाने की हद में आने वाले वासनवाडी से कुमशी की ओर जा रहा एक टेंपो (मॉडल ७०९, क्रमांक चक १४ एच् ३४९२) में रेत ले जाने की गुप्त जानकारी पुलिस को प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही ग्रामीण पुलिस ने मौके पर पहुंचकर टेंपो को रोका और जांच की। जांच के दौरान टेंपो में अवैध रूप से रेत पाई गई।

पुलिस ने रेत सहित टेंपो को जब्त कर लिया और चालक गोकुल किसन गायकवाड, निवासी वासनवाडी, के खिलाफ पोलीस नाईक दादासाहेब नारायण सानप की शिकायत पर बीड ग्रामीण पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की आगे की जांच बीड ग्रामीण पुलिस द्वारा की जा रही है। अवैध रेत खनन और परिवहन को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है, और ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

महाराष्ट्र का विकास ही अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का मुख्य एजेंडा होगा-अजित पवार

२६वें स्थापना दिवस पर पुणे में आयोजित समारोह में अजित पवार, प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे ने रखे विचार

पुणे (प्रतिनिधि) – राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने मंगलवार को पुणे में अपना २६वां स्थापना दिवस बड़े ही उत्साह और भव्यता के साथ मनाया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र का समग्र विकास ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का मूल एजेंडा रहेगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से जनता से सीधे जुड़ने, उनके सुख–दुख में सहभागी बनने और पार्टी कार्यालयों को सक्रिय और जीवंत बनाए रखने की अपील की।

अजित पवार ने कहा कि पार्टी छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा फुले, राजर्षि शाहू महाराज और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों पर चलती रही है और इन मूल्यों से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग जानबूझकर पार्टी की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। 'लाडकी बहन' योजना को लेकर उठ रही

आलोचनाओं को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि योजना की शुरुआत पूरी पारदर्शिता और जनसंपर्क के बाद की गई थी और यह संभव व यथार्थवादी दायरे में बनाई गई योजना है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फंड की मंजूरी तीन चरणों में पारदर्शी प्रक्रिया के तहत होती है, और इस प्रक्रिया में उनकी व्यक्तिगत भूमिका को लेकर जो दावे किए जा रहे हैं वे निराधार हैं। बीजेपी के साथ गठबंधन को लेकर हो रही आलोचना पर उन्होंने कहा कि २०१९ में हमने शिवसेना के साथ भी गठबंधन किया था। अगर तब समझौता स्वीकार था, तो अब क्यों नहीं?

हमारी नीति सर्वसमावेशी, अजित दादा हैं इसका चेहरा: प्रफुल पटेल

पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद प्रफुल पटेल ने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नीति हमेशा से समावेशी रही है और अजित पवार इस नीति का चेहरा हैं। उन्होंने 'लाडकी बहन' योजना को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों को विपक्ष का षड्यंत्र बताया और कहा कि इस योजना के लिए अन्य विभागों से फंड ट्रांसफर की बात निराधार है।

प्रफुल पटेल ने यह भी कहा कि एनसीपी का २६ साल का सफर आसान नहीं था। २०१४ में भी एनडीए में जाने की इच्छा व्यक्त की गई थी और आज का फैसला उस ही पृष्ठभूमि का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पार्टी की जिम्मेदारी है कि वह जनता तक सरकार की योजनाओं की सच्चाई और लाभ पहुंचाए।

नई पीढ़ी आगे ले जाएगी एनसीपी का विचार: सुनील तटकरे

एनसीपी महाराष्ट्र के प्रदेशाध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे ने विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी की नई पीढ़ी राष्ट्रवादी विचारधारा को पूरे जोश के साथ आगे ले जाएगी। उन्होंने कहा कि दो साल पहले लिए गए निर्णय के बाद भले ही लोकसभा में असफलता मिली हो, लेकिन विधानसभा चुनावों में पार्टी को बड़ी सफलता मिली। उन्होंने कहा कि जनता अजित पवार की नेतृत्व क्षमता को पहचानती है और 'लाडकी बहन' योजना अब तक ढाई करोड़ महिलाओं तक पहुंच चुकी है, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

ध्वजारोहण से लेकर श्रद्धांजलि और जनसंपर्क तक हुआ आयोजन

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह १०:१० बजे प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे द्वारा ध्वजारोहण से हुई। इसके बाद अजित पवार ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को श्रद्धांजलि अर्पित की और मंच पर पहुंचे। समारोह में महिला विंग अध्यक्ष रूपाली चाकणकर, अभिनेता सयाजी शिंदे, मंत्री संजय बनसोडे, नरहरी झिरवाल, हसन मुश्रीफ, युवा अध्यक्ष सूरज चौहान समेत कई प्रमुख नेताओं ने शिरकत की।

कार्यक्रम का संचालन युवा अध्यक्ष सूरज चौहान ने किया। मंच पर अजित पवार, प्रफुल पटेल, सुनील तटकरे, छगन भुजबळ, नवाब मलिक, हसन मुश्रीफ, आदिती तटकरे, धनंजय मुंडे, अनिल देशमुख, संजय बनसोडे, पार्थ पवार, जय पवार, शिवाजी गिर्जे, समीर भुजबळ, सुनीता पवार समेत बड़ी संख्या में विधायक, सांसद और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

यह स्थापना दिवस राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के लिए न केवल आत्ममंथन, बल्कि आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों की रणनीति तैयार करने का भी अवसर बना।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com